इकनॉमिक टाइम्स

अगस्त तक स्थिर रह सकते हैं चीनी के दाम

Jul 18, 2016, 09.00 AM IST

[जयश्री भोसले | पुणे]

चीनी की कीमतें अगस्त तक स्थिर रहने की संभावना है और फेस्टिव सीजन की शुरुआत में ये मामूली बढ़ सकती हैं। इंडस्ट्री से जुड़े एग्जिक्यूटिव्स ने बताया कि चीनी का दाम 40 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक होने पर सरकार की ओर से हस्तक्षेप किए जाने की संभावना के चलते पिछले एक महीने से कीमतें एक रेंज में बनी हुई हैं। इसके अलावा, अगले कुछ महीनों के लिए पर्याप्त सप्लाई मौजूद है। हालांकि, 2017-18 के सीजन में चीनी की कमी होने का अनुमान है।
महाराष्ट्र में चीनी के एक्स-मिल प्राइसेज 33-33.50 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर हैं। राज्य की एक चीनी मिल के मालिक ने बताया, 'मार्केट में बहुत अधिक डिमांड नहीं है। बहुत से ट्रेडर्स चीनी खरीद रहे हैं और इसकी कोई लिमिट नहीं है कि वे कितनी चीनी खरीद और बेच सकते हैं। दिवाली सहित बड़े त्योहार अक्टूबर में हैं।'

केंद्र सरकार ने यह स्पष्ट किया है वह चीनी के दाम 40 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक नहीं चाहती। कुछ ट्रेडर्स का कहना है कि अगस्त से कीमतों में बढ़ोतरी शुरू हो सकती है, लेकिन यह 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक नहीं होगी।

अक्टूबर 2015 में मिलों के लेवल पर चीनी के दाम 25 रुपये प्रति किलोग्राम थे, जो पिछले कुछ महीनों में 40 पर्सेंट से अधिक बढ़कर लगभग 36 रुपये पर पहुंच गए हैं। इस वजह से केंद्र ने चीनी पर 20 पर्सेंट की एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई है।

कॉमर्स मिनिस्ट्री के एक अधिकारी ने बताया कि एक्सपोर्ट पॉलिसी पर कमोडिटीज के डोमेस्टिक प्राइसेज का असर पड़ना जारी है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन के मुताबिक, 2016-17 के शुगर सीजन में लगभग 303.6 लाख टन चीनी उपलब्ध होगी, जो 260 लाख टन की घरेलू डिमांड को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। एक अक्टूबर को नए सीजन की शुरुआत पर 71 लाख टन का बैलेंस होगा, जबकि डोमेस्टिक प्रॉडक्शन 232.6 लाख टन रहने का अनुमान है।